>

Title: Need to open an Institute in Bikaner Parliamentary Constituency to facilitate recruitment in Banks.

श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर): सभापति जी, आपने मुझे शून्यकाल में इस महत्वपूर्ण विषय पर बोलने के लिए समय दिया। मैं आपको धन्यवाद देता हूं. मैं राजस्थान से बीकानेर संसदीय क्षेत्र से आता हूं। बीकानेर के आसपास श्री गंगानगर, हनुमानगढ़, चुरु नागौर जिले की सीमाएं लगती हैं लेकिन बीकानेर में इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग कार्मिक चयन का सेंटर नहीं होने से अभ्यार्थियों को जयपुर, जोधपुर व अन्य स्थानों पर परीक्षा देने के लिए जाना पड़ता है जिससे बेरोजगार युवाओं पर दोहरी मार पड़ती है।

एक तरफ तो बेरोजगारी है और दूसरी तरफ जो बेरोजगार युवा हैं, उनको 300 कि.मी., 400 किमी. दूर परीक्षा केन्द्र में जाना पड़ता है जो ठीक नहीं है। हमारा रेगिस्तानी इलाका है और उसमें एक जगह से दूसरी जगह में जाने के लिए किराया भाड़ा भी बहुत लगता है। मेरा आपके माध्यम से कहना है कि बीकानेर जब गेज परिवर्तन के कारण ब्रॉडगेज से जुड़ा हुआ नहीं था तो कनैक्टिविटी कम थी। अब गेज परिवर्तन के कारण कनैक्टिविटी बढ़ गई है और सभी शहरों से अच्छी कनैक्टिविटी हो गई है। इसलिए मैं आपके माध्यम से वित्त मंत्रालय से एक मांग करना चाहता हूं कि सरकार ऐसी पॉलिसी क्यों नहीं बना देती कि जनसंख्या के अनुसार 5 लाख का शहर 4 लाख का शहर 6 लाख का नगर होगा। उसमें ऑटोमैटिकली जितनी भी बैंकिंग की परीक्षाएं होती हैं, उनका सेंटर हो जाए। बैंकिंग परीक्षा के लिए हमें क्यों डिमांड करनी पड़े? क्यों हमें कहना पड़े कि इसका सेंटर खोला जाए क्योंकि आपके सेंटर का जो मैनेजमेंट है, वह तो जिला प्रशासन को करना पड़ता है और लॉ एंड ऑर्डर भी उन्हीं को करना पड़ता है। इसमें मंत्रालय का क्या लगता है? हम डिमांड भी कर रहे हैं लेकिन फिर भी सेंटर नहीं खोल रहे हैं। मेरी आपके माध्यम से यह मांग है कि इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग की कार्मिक चयन की परीक्षा के लिए बीकानेर में सेंटर खुलवाने की व्यवस्था करें जिससे प्रतिवर्ष हजारों छात्र/ छात्राएं जो कि बैंकिंग परीक्षा देना चाहते हैं, उन्हें राहत मिल सके क्योंकि बीकानेर बैंकिंग कोचिंग का भी अच्छा सेंटर हो गया है। मैं आपके माध्यम से यह मांग करना चाहता हूं कि जहां जहां भी कोचिंग के यानी परीक्षाओं के जो अच्छे सेंटर हैं, चाहे बैंकिंग के हों या और कोई हों, उसके परीक्षा के केन्द्र शहरों में होने चाहिए और एक नीति बननी चाहिए कि 5 लाख से ऊपर के जो भी कस्बे, शहर इस देश में हैं, उनमें परीक्षा का कोई न कोई केन्द्र होगा ताकि इससे बेरोजगार युवाओं को अनावश्यक इधर उधर भटकना नहीं पड़े।